सारांश रिपोर्ट

इंडिया-यूके क्रिएटिव इंडस्ट्रीज एट 75

प्रोजेक्ट

प्रोजेक्ट सारांश

सारांश रिपोर्ट

इंडिया-यूके क्रिएटिव इंडस्ट्रीज एट 75

प्रोजेक्ट

Dilon ke beech na deewar hai, na sarhad hai;
dikhayi dete hain sab fasley nazar ke mujhe

दिलों के बीच ना दीवार है ना सरहद है;
दिखायी देते हैं सब फ़ासले नज़र के मुझे

ज़फ़र साहबाई

हमारा प्रोजेक्ट 'इंडिया-यूके क्रिएटिव इंडस्ट्रीज एट 75: ऑपर्चुनिटीज एंड चैलेंजेस' ने रचनात्मक उद्योगों में काम कर रहे भारत और इंग्लैंड के कलाकारों को भारतीय स्वतंत्रता की ७५ वर्षगाँठ के उपलक्ष्य पर, साथ आने के लिए प्रेरित किया। यह परियोजना को तीन स्तरों में व्यवस्थित किया गया था: स्क्रीन उद्योग, लाइव पर्फ़ॉर्मन्स और फैशन। भारत और इंग्लैंड के कलाकारों ने समय, स्थान और सरहद की भौतिक सीमाओं और दोनो महाद्वीपों के बीच के समयांतर को आभासी रूप से पार कर साथ काम किया। कलाकारों ने मिलकर विभिन्न विचारो और संभावनाओं को समाहित कर नौ लघु रचनात्मक प्रस्तुतियाँ तैयार कीं। यह नौ महीने की छोटी परियोजना थी,पर इसने भौतिक सीमाओं के परे नई संभावनाओं और रचनात्मक परिकल्पनाओं को जन्म दिया । ये नए विचार और संकल्पनाएँ मनोरम तालमेल से भरीं थीं । दोनो देशों के कलाकारों ने साथ मिलकर फिल्म और मीडिया, थिएटर, नृत्य, कला और शिल्प, और फैशन के क्षेत्र में कार्य किया। इन लघु प्रस्तुतियों की विविधता और रचनात्मकता प्रेरणादायक है, और वे कला की उस भावना को समाहित करते हैं जिसकी कोई सीमा नहीं है। हमें उम्मीद है कि हमारी परियोजना सभी सरहदों/सीमाओं और दीवारों से परे कलाकारों के बीच नए सहयोग को प्रेरित करेगा!

हमारी परियोजना की विस्तृत जानकारी दिए गए लिंक पर उपलब्ध है:
https://www.bcu.ac.uk/media/research/research-groups/creative-industries/research-projects/india-uk-creative-industries-at-75

रचनात्मक प्रस्तुतियाँ

परियोजना की नौ लघु रचनात्मक प्रस्तुतियाँ दिए गए वेबलिंकों पर उपलब्ध है:
https://www.bcu.ac.uk/media/research/research-groups/creative-industries/research-projects/india-uk-creative-industries-at-75/project-creative-outputs

प्रथम समूह - स्क्रीन इंडस्ट्रीज

इस स्ट्रैंड ने सीमाओं के परे कुछ दिलचस्प किस्से सुनाने के लिए स्क्रीन का इस्तेमाल किया और दोनो देशों में काफ़ी समानताएं पाईं। उदाहरण के लिए, इनमें से एक उपसमूह ने इंग्लैंड और भारत में तीन शानदार लघु फिल्मों के माध्यम से लिंग, जाति और लैंगिकता के मुद्दों और चुनौतियों के बारे में बात की। अधिक जानने के लिए, कृपया ऊपर दिए गए लिंक पर क्लिक करें।

समूह दो - लाइव प्रदर्शन

यह स्ट्रैंड इंग्लैंड और भारतीय कलाकारों के माध्यम से संगीत, नृत्य और कविताओं से जुड़ा हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि समय और स्थान के अंतर के बावजूद, हमारे कलाकारों ने कला के माध्यम से नए संबंधो की सृजन किया। उदाहरण के लिए, एक रचनात्मक प्रस्तुति में एक सूफी-जोगी-जोगन के परंपरागत प्रेम को सूफ़ीवादी रूहानियत और रहस्यवाद से पुनरपरिभाषित किया गया। अपनी रचनात्मकता से कलाकारों ने परम्परागत स्त्री-पुरुष के सम्बंधों की सूफ़ीवादी पुनर्व्याख्या की है।

समूह तीन - फैशन उद्योग

इस स्ट्रैंड ने भारत- इंग्लैंड सीमाओं के पार फैशन सम्बंधों की बात करता है । उपसमूहों ने लुप्त हो रही कलाओं और उनके कारीगरों के पुनरुद्धार और संरक्षण से लेकर, पर्यावरण के अनुकूल स्थानीय रंगों तक, और टैटू बनाने की कला जैसे कई विषयों की चर्चा की। एक उपसमूह ने दोनो देशों में शरीर पर गोदने की कला (टैटू) की चर्चा करते हुए समानताओं और विषमताओं के बारे में बात की और उन्होंने पाया कि टैटू केवल साधारण फैशन से कहीं अधिक हैं। यह भारत में और प्रवासी भारतीयों के बीच विदेश में भारतीय विरासत और इतिहास का चिन्ह है।

रचनात्मक प्रस्तुतियाँ

रचनात्मक उद्योग, रचनात्मक अर्थव्यवस्था, या ऑरेंज/नारंगी अर्थव्यवस्था क्या हैं? ये उद्योग फिल्म, मीडिया, विज्ञापन, शिल्प, संगीत, रेडियो और टीवी, वीडियो गेम और बहुत कुछ जैसे कई विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के कला और कलाकारों को एक साथ जोड़ते हैं। क्या आप इसके बारे में और जानना चाहते हैं? क्या आप रचनात्मक उद्योगों में करियर बनाना चाहते हैं? कुछ और प्रेरणा के लिए, कृपया नीचे दिए हमारे कुछ रचनाकारों और कलाकारों के काम और प्रोफाइल पर एक नज़र डालें:

1. माला सन्हा
2. रवीता बांगर
3. मंजलि मस्टिकि
4. सौरव शर्मा
5. संगनी कुमार
6. लोटस वजुअल प्रोडक्शंस

जो कलाकार इस प्रोजेक्ट के शुरू से हमारे साथ जुड़े हैं उनकी जानकारी दिये गये लिंक पर उपलब्ध है:
https://www.bcu.ac.uk/media/research/research-groups/creative-industries/research-projects/india-uk-creative-industries-at-75/meet-the-team

Hindi translation by Dr Vishal Chauhan, Co-Investigator of the project.

Report designed by Nick Drew Design